

jftLV^h laö Mhö ,yö&33004@99
33004/99

REGD. NO. D. L.-

vlk/kj.k
EXTRAORDINARY
Hkkx III—[k.M 4
PART III—Section 4
izkf/dkj ls izdkf'kr

PUBLISHED BY AUTHORITY

la- 421]
1938
No. 421]
1938

ubZ fnYyh] eaxyokj] uoEcj 22] 2016@vxzg;.k 1]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 22, 2016/AGRAHAYANA 1,
1938

भारतीय ऽदवाला और शोधन

अंमता बोडभ्ण

अधसूचना

नई ऽदली, 21 नवंबर, 2016

भारतीय ऽदवाला और शोधन अंमता बोडभ्ण (आदशभ्ण उप-विधयां और

ऽदवाला

वसाय

एजशंसय□ का शासी बोडभ्ण) विनयम, 2016

आईबीबीआई/2016-17/जी.एन./आरईजी 001.— ऽदवाला और शोधन अंमता संहिता, 2016 (2016 का

31) कऽ धारा 196, 203 और 205 के साथ पढठत धारा 240 मं ँदकु शि□य□ के अनुसरण मं भारतीय ऽदवाला

और शोधन अंमता बोडभ्ण एतऽनारा िनिलिखत विनयमन बनाता है, अथाभ्णतः-

अणयाय-I

०२।

रंभक लघुशीषभ्ण और ०२ारंभ.

1. (1) इन विनयमन□ को भारतीय ऽदवाला और शोधन अंमता बोडभ्ण (आदशभ्ण उप-विधयां और

ऽदवाला ू

वसाय

एजशंसय□ का शासी बोडभ्ण) विनयमन, 2016 कहा जाएगा।

(2) ये विनयमन इनके राजकऽय राजप्ू मं ँकाशन कऽ तारीख से ँवृकु ह□गे।

पढरभाषाएं.

2. (1) इन विनयमन□ मं जब तक संदभभ्ण अउयथा आवंयक न हो –

(क) “संहिता” का अर्थान् ढदवाला और शोधन अॉमता संहिता, 2016 (2016 का 31) अभिंेत है;

5387 GI/2016

(1)

(ख) “शासी बोडान्” का अर्थान् ढदवाला ावसायिक एजंसी के ढप मं पंजीकृत कंपनी के िनदेशक मंडल से है, िजसे कंपनी

अधिनयम, 2013 (2013 का 18) कऽ धारा 2(10) के अंतगान् पहरभाषित ढकया गया है;

(ग) “आदशान् उप-िविधयं” का अर्थान् इन िविनयमनं के ँथम अनुसूची मं शािमल उप-िविधयं से है।

(2) जब तक संदभान् अयथा आवंयक न हो इन िविनयमनं मं उपयोग ढकए गए और पहरभाषित न ढकए

गए शूदं और

अभ् िंयां का वही अर्थान् होगा जो उनके िलए संहिता मं ढदया गया है।

अण्णाय-II

उप-िविधयां

ढदवाला ावसायिक एजंसियं कऽ उप-िविधयां होगी.

3. (1) कोई कंपनी, बोडान् को अपनी उप-िविधयां ढदवाला ँंतुत करेगी।

ावसायिक एजंसी के ढप मं पंजीकरण संबंधी आवेदन के साथ

(2) इन उप-िविधयं मं आदशान् उप-िविधयां मं िविनंद सभी मामले शािमल करने हंगे।

(3) ये उप-िविधयां सभी समय मं आदशान् उपिविधयं से सुसंगत हंगी।

(4) ढदवाला ावसायिक एजंसियां अपनी उप-िविधयां, गढठत सभी सिमितयं कऽ संरचना तथा उप-िविधयं के तहत सृजित सभी नीितयं को अपनी वेबसाइट मं ँकाशित करंगे।

उप-िविधयं मं संशोधन.

4. (1) शासी बोडान् उप-िविधयं मं मतदान ँनारा संकऽप पाहरत कर संशोधन कर सकती है बशतऽ ढक संशोधन के िवपं मं वोट डालने वाले सदंयं के कम-से-कम तीन गुना सदंय पं मं वोट करं ऐसा न होने पर िनदेशकं ँनारा संकऽप के िवपं मत माना जा सकता है।

(2) उप िविनयमन (1) के अनुसार पाहरत संकऽप को बोडान् के पास इसके पाहरत होने कऽ तारीख से सात ढदन के भीतर उसकऽ अनुमित के िलए दायर ढकया जाएगा।

(3) उप-िविधयं मं संशोधन उसकऽ अनुमित कऽ ँांि के सातवं ढदवस से ँवृह होगा जब तक

(छ) जो ढदवाला ावसायिक एजसी कऱ दस ँतशत से अधिक शेयरपूँजी धाहरत करने वाले ढकसी शेयरधारक कऱ शासी बोडका का सदंय नहल हो और

(6) िनदेशक, ँवतं िनदेशक को शासी बोडका के अयँ के ढप मऱ चयन करशगे। ँ

परीकरण – इन िविनयमन के उँय के िलए, इसमऱ ढकसी अंश के िलए

(क) आधी से अधिक संया को उतर संया मऱ पूणाकत ढकया जाएगा; और

(ख) ऐसी संया जो एक-चौथाई से अधिक न हो को िपछली िनतर संया मऱ पूणाकत ढकया जाएगा।

अनुसूची

ढदवाला ावसायिक एजसी कऱ आदशका उप-िविधयां

[िविनयमन 3 के अंतगकात पढठत िविनयमन 2(1)(ग)]

I. सामाऱ्य

1. ढदवाला ावसायिक एजसी का नाम “.....” (जिसे इसके बाद “एजसी” कहा जाएगा)।

2. एजसी कंपनी के ढप मऱ कंपनी अधिनयम, 2013 कऱ धारा 8 के साथ पंजीकृत है के अंतगकात और इसके

पंजीकृत कायाकालय

..... मऱ िंथत है [पूरा पता दीजिए]।

3. इन उप-िविधय को भारतीय ढदवाला और शोधन अँमता बोडका (आदशका उप-िविधयां और ढदवाला ावसायिक

एजसी का

शासी बोडका िविनयमन, 2016 के िसवाय, संशोधित नहल ढकया जा सकता।

II. पहरभाषाएं

4. (1) इन उप-िविधय मऱ जब तक संदभका अऱयथा अपेँत न हो –

(क) “सदंयता ँमाणपू” का आशय एजसी का सदंयता ँमाणपू है जो उप-िविध 10 के अंतगकात

ँदान ढकया जाता

है;

(ख) “संहता” का आशय ढदवाला और शोधन अँमता संहता, 2016 (2016 का 31) से है;

(ग) “शासी बोर्ड” का आशय एजंसी के निदेशक मंडल से है जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) क० धारा

2(10) के अंतर्गत परिभाषित किया गया है;

(घ) “व्यावसायिक सदस्य” का आशय ऋणदाता व्यावसायिक से है जिसका इस प्रकार इन उप-विधियों के भाग-VI के अनुसार नामांकन किया गया है;

(ड.) “संबंधी” का वही अर्थ होगा जो ऋण कंपनी अधिनियम, 2013 क० धारा 2(77) में वर्णित है।

(2) जब तक अथवा संदर्भ अपेक्षा न हो चयन शर्त और अभिष्ट का वही अर्थ होगा जो इसे संहिता में दिया गया है।

विधियों जिसे इन उप-विधियों में परिभाषित नहीं किया गया

III. उद्देश्य

5. (1) यह एजंसी, संहिता के अंतर्गत ऋणदाता व्यावसायिक एजंसी के कार्यों, और उसके आकस्मिक कार्यों करेगी।

(2) एजंसी उप-खंड (1) में विनिर्दिष्ट कार्यों के सिवाय कोई अन्य कार्य जो ऋणदाता व्यावसायिक एजंसी के कार्यों के निर्वहण से सुसंगत नहीं हो, नहीं करेगी।

IV. एजंसी के कर्तव्य

6. (1) एजंसी, इसके व्यावसायिक सदस्यों के विनियमन में उक्त नैतिक और व्यावसायिक मानदंडों का अनुसरण करेगी।

(2) एजंसी –

(क) ऋणदाता व्यावसायिक एजंसी और ऋणदाता व्यावसायिकों के कार्यों व हार को शासित करने के लिए जारी किए गए

संहिता और नियमों तथा उसके अंतर्गत जारी विनियमन और दशानिर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करेगी;

- (ख) इसके ावसायिक सदस्यों के नामांकन और विनियमन के लिए उचित ताकत प्रयोजित और गैर-भेदभाव वाली प्रक्रियाएं अपनाएगी;
- (ग) इसके ावसायिक सदस्यों को जारी निर्देश और उप-विधियों के संबंध में बोर्ड के प्रति उत्तरदायी होगी;
- (घ) ढदवाला ावसायिक के पेशे को विकसित करेगी;
- (ङ) ावसायिक सदस्यों के सतत ावसायिक विकास को बढ़ावा देगी;
- (च) इसके आंतरिक विनियमन और ढदशांनदश में निरंतर सुधार करेगी ताकि इसके ावसायिक सदस्यों द्वारा उ...

ावसायिक और नैतिक आचरण का अनुवर्ण सुनिश्चित होकर जा सके; और

(छ) और इसकी गतिविधियों के बारे में बोर्ड को सूचना प्रदान करेगी।

V. एजेंसी की समितियां

ावसायिक सदस्यों की सलाहकार समिति

7. (1) निम्नलिखित ढकसी मामले में सलाह देने के लिए शासी बोर्ड, एजेंसी के गठन कर सकती है –

- (क) ावसायिक विकास के लिए,
- (ख) ावसायिक मानदंड और नैतिक आचरण, और

ावसायिक सदस्यों की सलाहकार समिति का

(ग) ढदवाला संकट, समापन और शोधन अंतिमता के संबंध में उन्मुख प्रक्रियाएं बनाने

में, (2) सलाहकार समितियां ऐसे स्थान और समय पर बैठक कर सकती हैं जो शासी बोर्ड निर्धारित करे। एजेंसी की अग्रिम समितियां।

8. (1) शासी बोर्ड निम्नलिखित गठित करेगा –

- (क) एक या अधिक सदस्यता वाली समिति(यां), जिसमें ऐसे सदस्य शामिल हों जिन्हें वह उचित समझे;

(ख) एक निगरानी समित, जिसमथ ऐसे सदंय ह, जिहथ वह उचित समझे;

(ग) एक या अधिक शिकायत निवारण समित(यां) जिसमथ तीन से कम सदंय न ह, उनमथ से कम से कम एक सदंय एजथसी का ावसायिक सदंय हो;

(घ) एक या अधिक अनुशासन समित(यां), जिसमथ कम से कम एक सदंय बोडभा द्वारा नामित हो।

(2) इन ेयेक समितय का अयै एजथसी का वतं निदेशक होगा।

Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

5

VI. ावसायिक सदंयता

नामांकन के िलए अहभाता

9. ढकसी ि को

ावसायिक सदंय के ाप मथ नामांकन नह ढकया जाएगा, यढद वह बोडभा मथ ढदवाला

ावसायिक के ाप

मथ रिजंकीकृत ढकए जाने के िलए अहभाक नह है:-

परंतु ढक शासी बोडभा नामांकन हेतु अितर अहभाता क अपेा करे:

परंतु यह और ढक आगे ऐसी अितर अपेाएं धमभा, वंश, जाति, ँलग, जम ठथान या ावसायिक

संबता के आधार पर

नह हगी।

ावसायिक सदंय के ाप मथ नामांकन कंढया

10. (1) कोई ि.. ावसायिक सदंय के ाप मथ नामांकन के िलए आवेदन ऐसे ेाप, तरीके और ऐसी

फस के साथ ेतुत

कर सकता है जिसे एजथसी द्वारा विनंद ढकया जाए।

(2) एजथसी लागू संहिता के ावधान और नियम, विनियमन और उसके अंतगभात ढदशािनदश

के अनुसार आवेदन क जांच

करेगी।

(3) एजथसी आवेदन क जांच पर आवेदक को आवेदन मथ कोई कमी, यढद कोई हो, तो, उसको दूर करने का अवसर देगी।

(4) एजंसी ठकसी आवेदक से अितहर दंतावेज, सूचना और ंपीकरण िजसे वह उचित समझे, उचित समय के भीतर ुंतुत

करने कऽ अपेा कर सकती है।

(5) एजंसी आवेदन को अंवीकृत कर सकती है यद आवेदक नामांकन के मापदंड को पूरा नह करता है या किमय को दूर नह करता है या उनकऽ संतुि के िलए अितहर दंतावेज या सूचना ुंतुत नह करता है, िजसके कारण िलिखत मऽ दजऽ ठकए गए

ह.।

(6) आवेदन को िनरंत करने कऽ सूचना आवेदक को ऐसे आवेदन कऽ ुंाि के तीस ठदन के भीतर ऐसे िनरंतीकरण के कारण

बताते ंए दी जाएगी, इसमऽ किमय को दूर करने या अितहर दंतावेज को ुंतुत करने या एजंसी ंारा

ंपीकरण, जैसा भी

मामला हो, के िलए ठदया गया समय सिमिलत नह होगा।

(7) आवेदन कऽ ंवीकृति कऽ सूचना अनुलक के ुंाप क मऽ सदंयता के ुमाण प के साथ आवेदक को दी जाएगी।

(8) आवेदक अपने आवेदन के िनरंत होने के िनणऽय से ुतीस ठदवस के भीतर अपील कर सकता है।

िथत होने पर एजंसी कऽ सदंयता सिमित मऽ ऐसे िनणऽय कऽ ुंाि के

(9) सदंयता सिमित अपील कऽ ुंाि के तीस ठदन के भीतर अपील का ऐसे तरीके, िजसे वह उचित समझे, से िनपटान करते

ंए एक आदेश पाहरत करेगी। ु

ावसायिक सदंयता शुऽक

11. एजंसी ु ावसायिक सदंय से एक िनित धनरािश उनके वाःषक

सदंयता शुऽक के ाप मऽ भुगतान करने कऽ अपेा कर सकती है। ु

ावसायिक सदंय का रिजंतर

12. (1) एजंसी इसके ावसायिक सदंय का रिजंटर रखेगी जिसमं निंलिखत सिंमिलत हंगे –

(क) नाम,

(ख) पहचान का ंमाण,

(ग) संपर्क विवरण,

(घ) पता,

(ङ) नामांकन तारीख और ावसायिक सदंयता संया,

(च) बोड मं रिजंटीकरण कऽ तारीख और रिजंटीकरण संया,

(छ) एजंसी या बोड के पास उसके विं लंबित शिकायत का विवरण,

(ज) एजंसी या बोड के पास उसके विं लंबित अनुशासनांक कारवाय का विवरण, और

(झ) एजंसी या बोड कऽ अनुशासन समित के ंद्वारा उसके विं पाइरत आदेश का विवरण।

(2) ावसायिक सदंय से संबंधित हरकॉड निंलिखत को निरींण के िलए उपलुध कराया जाएगा

(क) बोड,

(ख) निणायक ंाधिकरण,

(ग) लेनदार समित को कारपोरेट ढदवाला संकऽप ंडया मं, यड ावसायिक सदंय को

अंतःसंकऽप

ावसायिक के ाप मं नियु ढकया गया है, या

(घ) कोई अड िं जिंसे ऐसे निरींण के िलए सदंय कऽ सहमित ंां कर ली है।

VII. सदंय के दायिंव

13. (1) एक ावसायिक सदंय अपने काय के निंपादन मं :-

(क) एक ढदवाला ावसायिक के ाप मं अपने कतं का निवहन सवावनापूर्वक करेगा;

(ख) ऋणी कऽ आंतय कऽ कऽमत का अधिकतम ंां करने का ंयास करेगा;

(ग) अत्यंत ईमानदारी और निष्पक्षता से अपने कार्यों करेगा;

(घ) ठीक वक्त और तटस्थ रहेगा;

(ङ) अपने कार्यों को अधिकतम व्यावसायिक योग्यता और व्यावसायिकता नीति से करेगा;

(च) अपनी व्यावसायिक दक्षता में निरंतर सुधार करेगा;

(छ) अपने कर्तव्यों का निर्वहन संहिता के तहत दी गई समय सीमा के अनुसार तीव्रता और कौशलता से करेगा;

(ज) अपने कार्यों के निष्पादन में लागू नियमों का पालन करेगा; और

(झ) अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान सूचना को गोपनीयता बनाए रखेगा, जब तक

यह कानून द्वारा

ऐसी सूचना को छुट्टी करने से अपेक्षा नहीं की जाती हो।

14. एजेंसी को एक आचार संहिता होगी जो भारतीय ऋणदाता और शोधन अयोग बोर्ड (ऋणदाता व्यावसायिक) विनियम, 2016 में विनिर्दिष्ट अनुसार आचार संहिता के अनुषंग होगी तथा उसमें सभी मामलों का व्यवधान होगा।

VIII. सदस्यों को निगरानी

15. एजेंसी को एक निगरानी नीति होगी जो यह सुनिश्चित करेगी कि व्यवसायिक सदस्यों को व्यवसायिक गतिविधियाँ,

नियम, विनियमों के व्यवधान, आचार संहिता और शासक बोर्ड द्वारा दए गए निर्देशों के अनुसार ह।

16. एक व्यावसायिक सदस्य ऋणदाता व्यावसायिक के रूप में वर्ष में अतम दो बार चालू और समूह कार्यों के अभिलेख

सहित सूचना एजेंसी द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके और रूप में प्रस्तुत करेगा।

17. निगरानी समित व्यावसायिक सदस्य द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और अभिलेख को निगरानी नीति के अनुसार समीक्षा करेगी।

18. िनगरानी नीति मऽ िनिलिखत का ँवधान होगा -

(क) िनगरानी कऽ बारंबारता;

(ख) िनरीण के तरीके सहित ँतुतीकरण का तरीका और ँाप या ँवसायिक सदंय कऽ सूचना और

अभिलेख को ँकित करना;

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

7

(ग) िनगरानी नीति का अनुपालन करने के िलए ँवसायिक सदंय कऽ बायताएं;

(घ) सूचना और अभिलेख का ँयोग, िकेषण और अनुसरण;

(ङ) सदंय के काय-िन्पादन का मूयांकन;

(च) अय कोई मामले, जो शासकऽय बोडऽ ँवारा िविनंद ँकए जाएं।

19. िनगरानी नीति मऽ -

(क) सदंय कऽ िगतता का पूण ायान रखा जाएगा;

(ख) ँा सूचना कऽ गोपनीयता का ँवधान होगा, जब तक ँक बोडऽ ँवारा या िविध ँवारा सूचना के ँकटीकरण

कऽ ँपेा न कऽ जाए; और

(ग) भेदभाव नहऽ ँकया जाएगा।

20. ँजसी, बोडऽ ँवारा िविनंद तरीके मऽ बोडऽ को िनगरानी के दौरान ँा सूचना कऽ ँक

ँरपोटऽ ँतुत करेगी, इसमऽ

िनिलिखत से संबंिधत सूचना होगी :-

(क) संहिता के तहत कऽ गई िनयुि का िववरण;

(ख) उसकऽ िनयुि के दौरान िहतधारक के साथ ँकए गए लेन-देन;

(ग) उसकऽ िनयुि के दौरान तृतीय पंो के साथ ँकए गए लेन-देन; और

(घ) ँयेक िनयुि का पँरणाम।

IX. िशकायत िनवारण तं

21. (1) एजंसी कऽ एक िशकायत िनवारण नीति होगी िजसमं एजंसी या एजंसी के ढकसी ावसायिक सदंय के िवद

िन्िलिखत के िनंारा कऽ गई िशकायत को ां करने, कारंवाई करने, िनवारण करने और

कटीकरण कऽ ढाया का ावधान

होगा:-

- (क) एजंसी के ढकसी ावसायिक सदंय िनंारा;
- (ख) ऐसे ढकसी िं िनंारा, जो एजंसी के संबंिधत ावसायिक सदंय कऽ सेवा मं है; अथवा
- (ग) अंय कोई िं या िंय कऽ ऒणी, जैसा ढक शासी बोडं िनंारा िविनंढकया जाए।
- (2) िशकायत िनवारण सिमित, िशकायत कऽ जांच के बाद –
- (क) िशकायत रं कर सकती है यढद वह महंवहीन है; अथवा
- (ख) िशकायत के िनवारण के िलए ढीं मं मंयंथता ंथापित कर सकती है।
- (3) यढद िशकायत मं अनुशासनांमक कारंवाई का आदेश ढदया जाता है तो सिमित को भेज देगी।

22. िशकायत िनवारण नीति मं िन्िलिखत ावधान हंगे:-

- (i) िशकायतं दायर करने के िलए ां और तरीका;
- (ii) ढकसी िशकायत कऽ पावती भेजने के िलए अधिकतम समय और ां
- (iii) िशकायत को रं करने, अनुशासनांमक सिमित के पास भेजने या मंयंथता के मांयम से िनपटान का अधिकतम समय;
- (iv) मंयंथता तं का िववरण;
- (v) िशकायत कऽ ढरपोटं के ावधान और िशकायत को रं करने या समाधान करने के िलए मंयंथता का ावधान;
- (vi) दुभांवनापूणं और गलत िशकायत के मामले मं कारंवाई करना;
- (vii) कऽ गई िशकायत और उनके समाधान का एक रिजंटर रखना;

(viii) शिकायत निवारण तंत्र आविधक समीक्षा करना।

X. अनुशासनात्मक कार्रवाई

23. एजेंसी द्वारा वावसायिक सदस्य के विषय कारण बताओ नोटिस जारी कर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ क\$ जा सकती है:

- (क) शिकायत निवारण समित द्वारा दए गए संदर्भ के आधार पर;
- (ख) वावसायिक सदस्य क\$ निगरानी के आधार पर;
- (ग) बोर्ड या ठकसी उयालय द्वारा दए गए निदेश के आधार पर
- (घ) इसके द्वारा उा ठकसी सूचना के आधार पर वयं संान लेते ए

24. एजेंसी क\$ एक अनुशासनात्मक नीति होगी, जिसमं नििलिखत उावधान हगे :-

- (क) ऐसा तरीका जिसमं अनुशासनात्मक समित तय को सुनि त कर सके;
- (ख) तय के आधार पर कारण बताओ नोटिस जारी करना;
- (ग) उाकृतिक उयाय के सिांत के आधार पर ठकसी तक संगत आदेश द्वारा कारण बताओ नोटिस का निपटान करना;
- (घ) कारण बताओ नोटिस के निपटान के विभू चरण के लिए समय सीमा; और
- (ङ) कार्रवाई के लिए पॉ के अधिकार एवं बायताएं।

(2) अनुशासनात्मक समित द्वारा पाहरत ठकए जाने वाले आदेश मं नििलिखत सिमिलत हगे :-

- (क) वावसायिक सदस्य का निुकासन;
- (ख) वावसायिक सदस्य का ठकसी निित समयाविध के लिए निलंबन;
- (ग) वावसायिक सदस्य को चेतावनी;
- (घ) आथक जुमाना लगाना;
- (च) मामल का संदर्भ बोर्ड को देना जिनमं उिचत मामलो मं, बोर्ड द्वारा उवतत

ितपूत क\$ रािश क\$ सिफाहरश

करना, या मुआवजा भी शामिल हो सकता जाए; और

(छ) लागत से संबंधित निदेश।

(3) अनुशासन समित कसी ावसायिक सदीय कऽ िनृकासन आदेश पाहरत कर सकती है यद उसे िात हो कऽ ू

ावसायिक सदीय ने िन काहरत कया है –

(क) कसी िविध जो उस समय ूवृह हो के तहत अपराध करने पर छह माह से अधिक के कारावास या

अपराध िजसमः

नैतिक दंड शामिल हो, से दंडित हो सकता है;

(ख) संहिता, िनयम, िविनयमन और उसके अंतर्गत जारी दशािनदश, उप-िविधय या

शासी बोडऽ द्वारा दए गए

निदेश का गंभीर उलंघन उसे दवाला ावसायिक के ाप मः कायऽ जारी रखने के िलए

अनुपयु व अयोय बनाता

है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

9

प्रीकरण – उपखंड (ख) के उलंघन मः िन शामिल है –

(i) संहिता कऽ धारा 28, 31, 111 और 153 के अधीन ढेडिटसऽ का अनुमोदन ूाऽ करने के उेय

से िमःया ूतिनिधव या कपट मः शामिल होना;

(ii) संहिता के ूावधान का उलंघन उस तरीके से करना िजस पर संहिता कऽ धारा 70(2) या 185 के

अनुसार कारऽवाई कऽ जा सके।

(iii) संहिता कऽ धारा 14, 96, 101 या 124 के उलंघन मः िात ाप से या जानबूझ कर काहरत करना या

काहरत करने के िलए ूाधिकृत या अनुमित देना।

(iv) संहिता के ूावधान का उलंघन करने पर संहिता कऽ धारा 71 या 187 के अनुसार कारऽवाई;

(v) ऐसी कसी गितिविध मः साथ देना या उकसाना जो क संहिता के अयाय-VII के भाग-II या अयाय-

VII के भाग-III के अनुसार कारऽवाई योय हो;

(vi) ढकसी भी पँोकार को नुकसान पशुंचाने के िलए ऐसा असमान एवं िवषम कायभूत करना जो ढदवाला समापक तथा शोधन अँोमता ुड्डया के िहत मशु उचित न हो, या

(vii) ढकसी अडय मामले मशु जो वह उचित समझे।

(4) अनुशासन सिमित ढरुडारा पाडरत कोई आदेश को ऐसे डि, लिखत आदेश के पाडरत करने के सात ढदवस के भीतर वेबसाइट पर रखना होगा और आदेश कड एक ुडित कारभूतवाई के पँोकार को ुडदान करनी होगी।

(5) एजशुसी ढरुडारा अनुशासन सिमित के आदेश के अंतगभूत ुडारु मौडुंक दंड को संहिता कड धारा 224 के अंतगभूत गडठत ढदवाला और अशोधन अँोमता िनिध मशु जमा कराना होगा।

25. (1) शासी बोडभूत एक अपीलीय पैनल का गठन करेगा िजसमशु एजशुसी का एक ंवतंु िनदेशक, िविध के िवुडु का ु ापक अनुभव वाले ियाति ुडारु

िडय मशु से एक सदंय, एक सदंय बोडभूत ढरुडारा नामित होगा।

(2) अनुशासन सिमित के आदेश से ुडभावित कोई ितिथ से तीस ढदन के भीतर ुडंतुत कर सकता है।

िड अपीलीय पैनल के समँो अपील अंतिम आदेश कड ुडित ुडारु होने कड

(3) अपीलीय पैनल, अपील कड ुडारु के तीस ढदवस के भीतर िनपटान उस तरीके से करेगा जो वह वांछनीय समझे।

XI. ावसायिक सदंयता का समपभूतण और ावसायिक सदंयता से िनुकासन

ावसायिक सदंयता का अंथायी समपभूतण

26. (1) एक ावसायिक सदंय एजशुसी कड सदंयता का अंथायी समपभूतण का आवेदन कम से कम तीस ढदवस पहले करेगा जब वह

(क) भारत का नागडरक न रहे;

(ख) कहल और िनयोजन ंवीकार करे; या

(ग) कोई िवसाय शुड करे, िसवाय इसके ढक आचार संहिता के अंतगभूत िविशुड से ंवीकृति दी गई हो,

और ऐसी अंथायी समपभूतण कड ंवीकृति पर और अंथायी समपभूतण के आवेदन करने कड ितिथ के तीस

ढदवस पूरे होने पर, ु

ावसायिक सदंय का नाम एजंसी के रिजंटर से अंथायी ढप से हटा ढदया जाएगा और उसे बोडंन को सूचित ढकया जाएगा।

(2) एजंसी कऽ ावसायिक सदंयता के अंथायी समपंण का कोई आवेदन ंवीकार नहल ढकया जाएगा यढद –

(क) एजंसी या बोडंन के समं ावसायिक सदंय के िवऽ कोई िशकायत या अनुशासनामक कारंवाई लंबित हो और

उसने कोई वचन ऐसी ँढया मऽ सहयोग देने के िलए नहल ढदया हो; या

(ख) ावसायिक सदंय को संहिता के अंतगंनत ँढया मऽ संकऽप ावसायी, समापक या अशोधन ङयासी के ढप मऽ

िनयु ढकया गया है और अऽय ढदवाला ावसायी कऽ िनयु ँढया मऽ हािनकारक हो सकती है।

(3) एक ावसायिक सदंय, उसकऽ अंथायी समपंन सदंयता को पुनजटिवत करने के िलए आवेदन ँंतुत कर सकता है जब

उपखंड (1) मऽ दी गई अंथायी समपंण शत लागू न होती ह ँ और उसकऽ पुनजटवन आवेदन ंवीकार होने पर

ावसायिक सदंय का नाम एजंसी के रिजंटर मऽ पुनः अंतंथापित कर ढदया जाएगा और उसे बोडंन को सूचित ढकया जाएगा।

ावसायिक सदंयता का समपंण

27. (1) ावसायिक सदंय जो एजंसी कऽ सदंयता के समपंण का इच्छुक है वह सदंयता के समपंण के िलए आवेदन ँंतुत कर ऐसा कर सकता है।

(2) सदंयता के समपंण कऽ ंवीकृति के और ऐसी ंवीकृति के तीस ढदवस पूरे होने पर ावसायिक सदंय का नाम एजंसी के

रिजंटर से काटा जाएगा और यह बोडंन को सूचित ढकया जाएगा।

(एजंसी के उप-विधय कऽ उप-विध 10 के अंतर्गत)

सं.

1. यह ंमाणित ढकया जाता है [नाम ंविकरं] जो िनवासी [पता ंविक को ं ावसायिक सदंय के षप मं नामांकन

[ढदवाला ं ावसायिक एजंसी का नाम ंविकरं] उनकऽ ं

ावसायिक सदंयता संया [संया ंविकरं] के साथ ढकया जाता

है।

2. यह ंमाण प् [तारीख ंविकरं] से वैध होगा।

हंतांर

के िलए उनकऽ तरफ से [ढदवाला ंवसायिक एजंसी का नाम] ं

थान:

तारीख:

डा. एम. एस. साठ, अयं

[विवीापन.-III/4/असा./308]

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 2016

Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016

IBBI/2016-17/GN/REG001.— In exercise of the powers conferred by sections 196, 203 and 205 read with section 240 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Insolvency and Bankruptcy Board of India hereby makes the following Regulations, namely -

CHAPTER I

PRELIMINARY

Short title and commencement.

- (1) These Regulations may be called the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016.

Definitions.

- (1) In these Regulations, unless the context otherwise requires-
 - (a)“Code” means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);
 - (b)“Governing Board” means the Board of Directors, as defined under section 2(10) of Companies Act, 2013 (18 of 2013), of the company registered as an insolvency professional agency;
 - (c)“model bye-laws” means the model bye-laws as contained in the Schedule to these Regulations.
- (2) Unless the context otherwise requires, words and expressions used and not defined in these Regulations shall have the meanings assigned to them in the Code.

CHAPTER

II

BYELAW

S Insolvency professional agencies to have Bye-Laws.

3. (1) A company shall submit to the Board its bye-laws along with the application for its registration as an insolvency professional agency.
- (2) The bye-laws shall provide for all matters specified in the model bye-laws.
- (3) The bye-laws shall at all times be consistent with the model bye-laws.
- (4) The insolvency professional agency shall publish its bye-laws, the composition of all committees formed, and all policies created under the bye-laws on its website.

Amendment of Bye-Laws.

4. (1) The Governing Board may amend the bye-laws by a resolution passed by votes in favour being not less than three times the number of the votes, if any, cast against the resolution, by the directors.
- (2) A resolution passed in accordance with sub-regulation (1) shall be filed with the Board within seven days from the date of its passing, for its approval.
- (3) The amendments to the bye-laws shall come into effect on the seventh day of the receipt of the approval, unless otherwise specified by the Board.

12

THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY

[PART III—

SEC. 4] (4) The insolvency professional agency shall file a printed copy of the amended bye-laws with the Board within fifteen days from the date when such amendment is made effective.

CHAPTER III **GOVERNINGBO**

ARD Composition of the Governing Board.

5. (1) The Governing Board shall have a minimum of seven directors.
 - (2) More than half of the directors shall be persons resident in India at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors.
 - (3) Not more than one fourth of the directors shall be insolvency professionals.
 - (4) More than half of the directors shall be independent directors at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors:
Provided that no meeting of the Governing Board shall be held without the presence of at least one independent director.
 - (5) An independent director shall be an individual-
 - (a) who is a person of ability and integrity;
 - (b) who has expertise in the field of finance, law, management or insolvency.
 - (c) who is not an insolvency professional;
 - (d) who is not a relative of the directors of the Governing Board;
 - (e) who had or has no pecuniary relationship with the insolvency professional agency, or any of its directors, or any of its shareholders holding more than ten percent of its share capital, during the two immediately preceding financial years or during the current financial year;
 - (f) who is not a shareholder of the insolvency professional agency;
 - (g) who is not a member of a governing council of any of the shareholders holding more than ten percent of the share capital of the insolvency professional agency; and
 - (6) The directors shall elect an independent director as the Chairperson of the Governing Board.
- Explanation* - For the purposes of this Regulation, any fraction contained in
- (a) 'more than half' shall be rounded off to the next higher number; and
 - (b) 'not more than one- fourth' shall be rounded down to the next lower number.

SCHEDULE

MODELBYE-LAWSOFANINSOLVENCYPROFESSIONALAGENCY

[Under Regulation 3 read with Regulation 2(1)(c)]

I. GENERAL

1. The name of the Insolvency Professional Agency is “____” (hereinafter referred to as the ‘Agency’).

2. The Agency is registered as a company under section 8 of the Companies Act, 2013 with its registered office situated at _____ [provide full address].

3. These bye-laws may not be amended, except in accordance with the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016.

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

II. DEFINITIONS

4. (1) In these bye-laws, unless the context otherwise requires -

(a)“certificate of membership” means the certificate of membership of the Agency granted under bye-law 10;

(b)“Code” means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);

(c)“Governing Board” means the Board of Directors of the Agency as defined under section 2(10) of Companies Act, 2013 (18 of 2013);

(d)“professional member” means an insolvency professional who has been enrolled as such, in accordance with Part VI of these bye-laws;

(e)“relative” shall have the same meaning as assigned to it in section 2(77) of the Companies Act, 2013.

(2) Unless the context otherwise requires, words and expressions used and not defined in these bye-laws shall have the meanings assigned to them in the Code.

III. OBJECTIVES

5. (1) The Agency shall carry on the functions of the insolvency professional agency under the Code, and functions incidental thereto.

(2) The Agency shall not carry on any function other than those specified in sub-clause (1), or which is inconsistent with the discharge of its functions as an insolvency professional agency.

IV. DUTIES OF THE AGENCY

6. (1) The Agency shall maintain high ethical and professional standards in the regulation of its professional members.

(2) The Agency shall -

(a)ensure compliance with the Code and rules, regulations and guidelines issued thereunder governing the conduct of insolvency professional agencies and insolvency professionals;

(b)employ fair, reasonable, just, and non-discriminatory practices for the enrolment and regulation of its professional members;

(c)be accountable to the Board in relation to all bye-laws and directions issued to its professional members;

(d)develop the profession of insolvency professionals;

(e)promote continuous professional development of its professional members;

(f)continuously improve upon its internal regulations and guidelines to ensure that high standards of professional and ethical conduct are maintained by its professional members; and

(g)provide information about its activities to the Board.

V. COMMITTEES OF THE AGENCY

Advisory Committee of Professional Members.

7. (1) The Governing Board may form an Advisory Committee of professional members of the Agency to advise it on any matters pertaining to-

(a)the development of the profession;

(b)standards of professional and ethical conduct; and

(c)best practices in respect of insolvency resolution, liquidation and bankruptcy.

(2) The Advisory Committee may meet at such places and times as the Governing Board may provide.

Other Committees of the Agency.

8. (1) The Governing Board shall constitute-

(a)one or more Membership Committee(s) consisting of such members as it deems fit;

(b)a Monitoring Committee consisting of such members as it deems fit;

(c)one or more Grievance Redressal Committee(s), with not less than three members, at least one of whom shall be a professional member of the Agency;

(d) one or more Disciplinary Committee(s) consisting of at least one member nominated by the Board.

(2) The Chairperson of each of these Committees shall be an independent director of the Agency.

VI. PROFESSIONAL MEMBERSHIP

Eligibility for Enrolment.

9. No individual shall be enrolled as a professional member if he is not eligible to be registered as an insolvency professional with the Board:

Provided that the Governing Board may provide additional eligibility requirements for enrolment:

Provided further that such additional requirements shall not discriminate on the grounds of religion, race, caste, gender, place of birth or professional affiliation.

Process of Enrolment as Professional Member.

10.(1) An individual may apply for enrolment as a professional member by submitting an application in such form, in such manner and with such fees as may be specified by the Agency.

(2) The Agency shall examine the application in accordance with the applicable provisions of the Code, and rules, regulations and guidelines thereunder.

(3) On examination of the application, the Agency shall give an opportunity to the applicant to remove the deficiencies, if any, in the application.

(4) The Agency may require an applicant to submit additional documents, information or clarification that it deems fit, within reasonable time.

(5) The Agency may reject an application if the applicant does not satisfy the criteria for enrolment or does not remove the deficiencies or submit additional documents or information to its satisfaction, for reasons recorded in writing.

(6) The rejection of the application shall be communicated to the applicant stating the reasons for such rejection, within thirty days of the receipt of the application, excluding the time given for removing the deficiencies or presenting additional documents or clarification by the Agency, as the case may be.

(7) The acceptance of the application shall be communicated to the applicant, along with a certificate of membership in Form A of the Annexure to these bye-laws.

(8) An applicant aggrieved of a decision rejecting his application may appeal to the Membership Committee of the Agency within thirty days from the receipt of such decision.

(9) The Membership Committee shall pass an order disposing of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

11. The Agency may require the professional members to pay a fixed sum of money as its annual membership fee.

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

15 Prof

11. The Agency may require the professional members to pay a fixed sum of money as its annual membership fee. **Register of Professional Members.**

12.(1) The Agency shall maintain a register of its professional members, containing their-

- (a) name;
- (b) proof of identity;
- (c) contact details;
- (d) address;
- (e) date of enrolment and professional membership number;
- (f) date of registration with the Board and registration number;
- (g) details of grievances pending against him with the Agency;
- (h) details of disciplinary proceedings pending against him with the Agency; and
- (i) details of orders passed against him by the Board or Disciplinary Committee of the

Agency.

(2) The records relating to a professional member shall be made available for inspection to-

- (a) the Board,
- (b) the Adjudicating Authority,
- (c) the committee of creditors in a corporate insolvency resolution process where the professional member has been appointed as an interim resolution professional, or
- (d) any other person who has obtained the consent of the member for such inspection.

VII. DUTIES OF MEMBERS

13.(1) In the performance of his functions, a professional member shall-

- (a) act in good faith in discharge of his duties as an insolvency professional;
- (b) endeavour to maximize the value of assets of the debtor;

- (c) discharge his functions with utmost integrity and objectivity;
- (d) be independent and impartial;
- (e) discharge his functions with the highest standards of professional competence and professional ethics;
- (f) continuously upgrade his professional expertise;
- (g) perform duties as quickly and efficiently as reasonable, subject to the timelines under the Code;
- (h) comply with applicable laws in the performance of his functions; and
- (i) maintain confidentiality of information obtained in the course of his professional activities unless required to disclose such information by law.

16 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART III—
SEC. 4] 14. The Agency shall have a Code of Conduct that shall be consistent with, and that shall provide for all matters in the Code of
Conduct as specified in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016.

VIII. MONITORING OF MEMBERS

15. The Agency shall have a Monitoring Policy to monitor the professional activities and conduct of professional members for their adherence to the provisions of the Code, rules, regulations and guidelines issued thereunder, these bye-laws, the Code of Conduct and directions given by the Governing Board.
16. A professional member shall submit information, including records of ongoing and concluded engagements as an insolvency professional, in the manner and format specified by the Agency, at least twice a year.
17. The Monitoring Committee shall review the information and records submitted by the professional members in accordance with the Monitoring Policy.
18. The Monitoring Policy shall provide for the following -
- (a) the frequency of monitoring;
 - (b) the manner and format of submission or collection of information and records of the professional members, including by way of inspection;
 - (c) the obligations of professional members to comply with the Monitoring Policy;
 - (d) the use, analysis and storage of information and records;
 - (e) evaluation of performance of members; and
 - (f) any other matters that may be specified by the Governing Board.
19. The Monitoring Policy shall –
- (a) have due regard for the privacy of members,
 - (b) provide for confidentiality of information received, except when disclosure of information is required by the Board or by law, and
 - (c) be non-discriminatory.
20. The Agency shall submit a report to the Board in the manner specified by the Board with information collected during monitoring, including information pertaining to -
- (a) the details of the appointments made under the Code,
 - (b) the transactions conducted with stakeholders during the period of his appointment;
 - (c) the transactions conducted with third parties during the period of his appointment; and
 - (d) the outcome of each appointment.

IX. GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

21. (1) The Agency shall have a Grievance Redressal Policy providing the procedure for receiving, processing, redressing and disclosing grievances against the Agency or any professional member of the Agency by-
- (a) any professional member of the Agency;
 - (b) any person who has engaged the services of the concerned professional members of the Agency; or
 - (c) any other person or class of persons as may be provided by the Governing Board.
- (2) The Grievance Redressal Committee, after examining the grievance, may-

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

- (a) dismiss the grievance if it is devoid of merit; or
- (b) initiate a mediation between parties for redressal of grievance.

(3) The Grievance Redressal Committee shall refer the matter to the Disciplinary Committee, wherever the grievance warrants disciplinary action.

22. The Grievance Redressal Policy shall provide for-
- (a) the format and manner for filing grievances;

- (b) maximum time and format for acknowledging receipt of a grievance;
- (c) maximum time for the disposal of the grievance by way of dismissal, reference to the Disciplinary Committee or the initiation of mediation;
- (d) details of the mediation mechanism
- (e) provision of a report of the grievance and mediation proceedings to the parties to the grievance upon dismissal or resolution of the grievance;
- (f) action to be taken in case of malicious or false complaints;
- (g) maintenance of a register of grievances made and resolutions arrived at; and
- (h) periodic review of the Grievance Redressal Mechanism.

X. DISCIPLINARY PROCEEDINGS

23. The Agency may initiate disciplinary proceedings by issuing a show-cause notice against professional members-

- (a) based on a reference made by the Grievances Redressal Committee;
- (b) based on monitoring of professional members;
- (c) following the directions given by the Board or any court of law; or
- (d) *suo moto*, based on any information received by it.

24.(1) The Agency shall have a Disciplinary Policy, which shall provide for the following - (a) the manner in which the Disciplinary Committee may ascertain facts;

- (b) the issue of show-cause notice based on the facts;
- (c) disposal of show-cause notice by a reasoned order, following principles of natural justice;
- (d) timelines for different stages of disposal of show cause notice; and
- (e) rights and obligations of the parties to the proceedings.

(2) The orders that may be passed by the Disciplinary Committee shall include-

- (a) expulsion of the professional member;
- (b) suspension of the professional member for a certain period of time;
- (c) admonishment of the professional member;
- (d) imposition of monetary penalty;

- (e) reference of the matter to the Board, which may include, in appropriate cases, recommendation of the amount of restitution or compensation that may be enforced by the Board; and
- (f) directions relating to costs.

(3) The Disciplinary Committee may pass an order for expulsion of a professional member if it has found that the professional member has committed-

- (a) an offence under any law for the time being in force, punishable with imprisonment for a term exceeding six months, or an offence involving moral turpitude;
- (b) a gross violation of the Code, rules, regulations and guidelines issued thereunder, bye-laws or directions given by the Governing Board which renders him not a fit and proper person to continue acting as an insolvency professional.

Explanation: The violations referred to in sub-clause (b) include-

- (i) making a false representation or indulging in fraud for the purpose of obtaining creditors' approval under sections 28, 31, 111 or 153 of the Code;
- (ii) contravening provisions of the Code in a manner which is actionable in accordance with sections 70(2) or 185 of the Code;
- (iii) knowingly or wilfully committing or authorizing or permitting contravention of sections 14, 96, 101 or 124 of the Code;
- (iv) contravening provisions of the Code inviting action in accordance with sections 71 or 187 of the Code;
- (v) aiding or abetting any activity which is actionable in accordance with Chapter VII of Part II or Chapter VII of Part III of the Code,
- (vi) providing unequal or differential treatment to the disadvantage of a party which cannot be justified with reference to the interests of the insolvency resolution, liquidation or bankruptcy process; or
- (vii) in any other case it deems fit.

(4) Any order passed by the Disciplinary Committee shall be placed on the website of the Agency within seven days from passing of the said order, and a copy of the order shall be provided to each of the parties to the proceeding.

(5) Monetary penalty received by the Agency under the orders of the Disciplinary Committee shall be credited to the Insolvency and Bankruptcy Fund constituted under section 224 of the Code.

25.(1) The Governing Board shall constitute an Appellate Panel consisting of one independent director of the Agency, one member from amongst the persons of eminence having experience in the field of law, and one member nominated by the Board.

(2) Any person aggrieved of an order of the Disciplinary Committee may prefer an appeal before the Appellate Panel within thirty days from the receipt of a copy of the final order.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

(3) The Appellate Panel shall dispose of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

XI. SURRENDER OF PROFESSIONAL MEMBERSHIP AND EXPULSION FROM PROFESSIONAL MEMBERSHIP

Temporary Surrender of Professional Membership.

26.(1) A professional member shall make an application for temporary surrender of his membership of the Agency at least thirty days before he-

(a) becomes a person not resident in India;

(b) takes up employment; or

(c) starts any business, except as specifically permitted under the Code of Conduct;

and upon acceptance of such temporary surrender and on completion of thirty days from the date of application for temporary surrender, the name of the professional member shall be temporarily struck from the registers of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

(2) No application for temporary surrender of professional membership of the Agency shall be accepted if -

(a) there is a grievance or disciplinary proceeding pending against the professional member before the Agency or the Board, and he has not given an undertaking to cooperate in such proceeding; or

(b) the professional member has been appointed as a resolution professional, liquidator or bankruptcy trustee for a process under the Code, and the appointment of another insolvency professional may be detrimental to such process.

(3) A professional member may make an application to revive his temporarily surrendered membership when the conditions for temporary surrender as provided in sub-clause (1) cease to be applicable, and upon acceptance of the application for revival, the name of the professional member shall be re-inserted in the register of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

Surrender of Professional Membership

27.(1) A professional member who wishes to surrender his membership of the Agency may do so by submitting an application for surrender of his membership.

(2) Upon acceptance of such surrender of his membership, and completion of thirty days from the date of such acceptance, the name of the professional member shall be struck from the registers of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

28. Any fee that is due to the Agency from a professional member surrendering his membership shall be cleared prior to his name being struck from the registers of the Agency.

29. The Agency may refuse to accept the surrender of membership by any professional member if -

(a) there is any grievance or disciplinary proceeding pending against the professional member before the Agency or the Board; or

(b) the professional member has been appointed as a resolution professional, liquidator or bankruptcy trustee for a process under the Code, and the appointment of another insolvency professional may be detrimental to such process.

Expulsion from Professional Membership.

30. A professional member shall be expelled by the Agency -

(a) if he becomes ineligible to be enrolled under bye-law 9;

(b) on expiry of thirty days from the order of the Disciplinary Committee, unless set aside or stayed by the Appellate Panel;

(c) upon non-payment of professional membership fee despite at least two notices served in writing;

(d) upon the cancellation of his certificate of registration by the Board;

(e) upon the order of any court of law.

ANNEXURE



FORM A

**CERTIFICATE OF PROFESSIONAL
MEMBERSHIP**

(Under bye-law 10 of the Agency's bye-laws)

No.

1.This is to certify that *[insert name]* residing at *[insert address]* is enrolled as a professional member of
[insert name of insolvency professional agency] with professional membership no. *[insert number]*.

2.This certificate shall be valid from *[insert date]*.

S

d/- For and on behalf of *[name of insolvency professional
agency]*

Place:

Date:

Chairperson

III/4/Exty./308]

Dr. M. S. SAHOO,

[ADVT.-

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-
110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

Digitally signed by

Nishok Nishok Kumar Paria

Kumar Paria Date: 2016.11.22

22:06:05 +05'30'

